

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

जनता के काम को लेकर सीएम मोहन यादव ने दिखाई सख्ती

हेल्पलाइन तक शिकायत पहुंचे उससे पहले कर दें निपटारा

अफसरों को दिए निर्देश, समय-सीमा में पूरे हों जनता के काम

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में 21 प्रमुख कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि आम लोगों के काम समय-सीमा में पूरे हों और कोशिश यह रहे कि शिकायत हेल्पलाइन तक पहुंचने की नौबत ही न आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े प्राथमिक कामों का समय पर निराकरण प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि पिछले तीन सप्ताह में इसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। अब अभियान के तहत होने वाले शिविरों और संवाद की अगले एक महीने की योजना पहले से तैयार की जाए। त्योहार या अन्य कारणों से यदि शुक्रवार को शिविर नहीं लग पाता है तो उसे अगले दिन शनिवार को आयोजित किया जाए।



अधिकारी कर्मचारी समय पर कार्यालय पहुंचे

सरकारी दफ्तरों में अधिकारियों-कर्मचारियों की समय पर मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय, विध्याचल और सतपुड़ा भवन में बायोमेट्रिक अटेंडेंस व्यवस्था शुरू की जाएगी। बाद में इसे प्रदेश के जिलों में भी लागू किया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों को कर्मचारियों की उपस्थिति और काम की समय-सीमा पर निगरानी रखने को कहा गया है।

ग्रामीणों को मिलेगी जमीन की मुफ्त रजिस्ट्री

ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी की जमीन की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके लिए राजस्व और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त कमेटी बनाई जाएगी। गांवों में दखलरहित जमीन का चिन्हांकन कर भूमिहीन परिवारों को आवास पट्टे देने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे ग्रामीण परिवारों को जमीन का अधिकार मिलने के साथ बैंक से ऋण लेने में भी आसानी होगी। बैठक में नर्मदा समग्र मिशन के गठन और क्रियान्वयन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा गया। इसका उद्देश्य नर्मदा को स्वच्छ और प्रवाहमान बनाए रखने के साथ पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर काम करना है। शहरी क्षेत्रों में पेयजल और सीवरज व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

भारत ने तैयार किया वाहक 6 मल्टी ड्रोन मंदरशिप सिस्टम

बिना जीपीएस करेगा हमला, सर्च-डिटेक्ट से डिस्ट्रॉय तक सेना की मदद करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए स्वदेशी 'वाहक-6' मल्टी-ड्रोन मंदरशिप प्रणाली विकसित की गई है। निजी कंपनी एंड्रोरएयर ने सरकारी रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से इसे तैयार किया है। यह ड्रोन निगरानी, लक्ष्य की पहचान और दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम है। यह बिना जीपीएस के भी हमला कर सकता है। सर्च, डिटेक्ट से लेकर डिस्ट्रॉय तक यह सेना की मदद करेगा। इस सिस्टम में हवा में एक साथ कई ड्रोन तैनात किए जा सकते हैं। अलख-एस ड्रोन लक्ष्य की खोज और निगरानी करता है। इसके बाद मंदरशिप और छोटे ड्रोन के बीच तुरंत सूचनाएं साझा की जाती हैं। अलख से सूचना मिलते ही ड्रोन दुश्मन के ठिकाने पर हमला कर सकते हैं। अलख माइक्रो-यूएवी के दो वेरिएंट हैं। अलख-एस निगरानी और लक्ष्य की पहचान के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि अलख-के लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है।



देश कोई धर्मशाला नहीं कि हर कोई बस जाए

शाह बोले-यहां रहने का अधिकार सिर्फ नागरिकों को



नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। यहां रहने का अधिकार केवल नागरिकों को है। घुसपैठिए देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए खतरा हैं। हमारा लक्ष्य देश को इन घुसपैठियों से मुक्त करना है। शाह ने इटैलीजेंस ब्यूरो की नेशनल सिम्योरिटी

● घुसपैठिए भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा

स्टैटिजिज कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पिछले आठ महीनों में सभी बॉर्डर स्टेट का दौरा किया है। उन्होंने इन राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा की रणनीति से जुड़ा दस्तावेज भी साझा किया। शाह ने आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने और उसके 360 डिग्री नेटवर्क को तोड़ने के लिए सुरक्षा रणनीति को रोज की कार्यवाई में उतारने की बात कही।

सात साल में 274 भगोड़े विदेश से लाए गए

2019 से 2026 के बीच करीब 274 भगोड़ों को विदेश से वापस लाया गया है। सभी राज्य लक्ष्य तय करें कि विदेश में बैठे भगोड़ों को देश के कानून के दायरे में लाया जाए। मोदी सरकार ने मल्टी एजेंसी सेंटर को भी अपग्रेड किया है, ताकि यह कई स्तरों पर नतीजे देने वाला प्लेटफॉर्म बन सके। एक साल में तीनों नए कानून 100 फीसदी लागू होंगे। इससे आपराधिक मामलों का निपटारा सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में हो सकेगा और सजा की दर 25 फीसदी बढ़ेगी।

डैम ओवरफ्लो, पुल डूबा अस्पताल में भरा पानी

● भारी बारिश से यूपी और बिहार में बिगड़े हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। चंदौली में मूसाखांड और लतीफशाह बांध ओवरफ्लो हो गए हैं, जिसके बाद उनके गेट खोल दिए गए हैं। लखीमपुर में शारदा नदी पर बने तमोलिन पुरवा बांध का एक हिस्सा कट गया। वहीं, महोबा के जिला अस्पताल में पानी भर गया और इमरजेंसी वार्ड की छत से पानी टपकने लगा। बिहार के बेगूसराय में गंगा उफान पर है।



नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 50 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। मौसम विभाग ने 21 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। मध्य प्रदेश में पूर्वी हिस्से के बाद अब उत्तरी, पश्चिमी और मध्य हिस्सों में मानसून ऐक्टिव होगा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक भोपाल, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और चंबल संभाग के 21 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

नेपाल में बाढ़ से तबाही, बिहार में हाईअलर्ट

चीन के तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचाई है। भोटेकोशी नदी का पानी अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याबुबेसी इलाके के कई घरों, बाजारों और दूसरी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। इसमें कई लोगों के बहने की भी खबर है। जिससे कई गांव और जलविद्युत परियोजनाएं बह गई हैं। नेपाल में बाढ़ की वजह से बिहार में हाईअलर्ट जारी किया गया है।

बेकाबू हुई इनोवा, वाहनों को मारी टक्कर, पांच लोग हुए घायल, एक की हालत गंभीर

इंदौर। राऊ थाना क्षेत्र में बुधवार की दोपहर इनोवा चालक अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और तेज रफ्तार में कार दौड़ाकर तांडवा मचाया। उसने पहले ट्रैक्टर को टक्कर मारी और फिर कार की रफ्तार और बढ़ा दी इसके बाद दो अलग अलग एक्टिवा को चपेट में ले लिया। हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं जिसमें से एक की हालत गंभीर है। इधर मौके पर पहुंची पुलिस ने एफआरवी की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया और तुरंत आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी निधि सक्सेना ने बताया कि घटना बुधवार दोपहर करीब 12.30 बजे की है।

केशरबाग रोड पर द वर्क शाप नाम से गैरेज है। यहां अमन मालवीय काम करता है। उसने इनोवा कार(एमपी 11 बीई 0005) को



सुधारा और फिर ट्रायल लेने सड़क पर निकल गया। वह गोल चौराहा गया और वापस केसर बाग की ओर लौटने लगा। इस दौरान राऊ रोड पर श्रमिक कालोनी के यहां उसने कार की रफ्तार को अचानक बढ़ा दिया सबसे पहले

उसके सामने ट्रैक्टर (एमपी 09ईए 1623) आया तो उसने उसे बुरी तरह टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसे चला रहा चालक विजेंद्र सिंह खोबी घायल हो गया।

लोग दौड़े तो बढ़ा दी गति

इस के बाद भी अमन मालवीय ने कार नहीं रोकी उसने एक एक्टिवा को चपेट में ले लिया। लोग कार रोकने के लिए उसकी ओर दौड़े तो उसने कार की गति और तेज कर दी। तभी उसकी चपेट में एक्टिवा(एमपी 09एसएच 7816) पर सवार मुस्तफा अत्तर निवासी हसनजी नगर आ गए, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। इस दौरान लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी।

एफआरवी से पहुंचाया अस्पताल

एफआरवी पहुंचती इससे पहले ही एसीपी निधि सक्सेना मौके पर पहुंच गई और फिर उन्होंने लोगों के आक्रोश को शांत किया और तुरंत एफआरवी के जरिए घायलों को अस्पताल पहुंचाया और आरोपी चालक अमन मालवीय को गिरफ्तार कर थाने भेजा। बताया जा रहा है कि मुस्तफा अत्तर दुर्घटना में काफी घायल हुए हैं उनकी हालत गंभीर है। बाकी को सामान्य चोटें आने की बात सामने आई है। कार के ट्रायल के दौरान हादसा होने की बात पता चली है। फिलहाल पुलिस आरोपी चालक से पूछताछ कर रही है।

गोहपारू पुलिस ने केशर में हुई चोरी किया खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

साहिल खान

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपियों की धरपकड़ और चोरी गए मशरूका की बरामदगी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में थाना गोहपारू पुलिस ने केशर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया जनरेटर भी बरामद कर जब्त कर लिया है। थाना गोहपारू में अपराध क्रमांक 371/26, धारा 331(4), 305(ए), 317(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार फरियादी प्रदीप सिंह पिता सरोज



कुमार सिंह, उम्र 48 वर्ष, निवासी पैलवाह, थाना गोहपारू ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम असवारी स्थित आदित्य स्टोन केशर में 16 अगस्त 2026 को ताला लगाकर वापस आने के बाद 18 अगस्त

को केशर पहुंचने पर कमरे का ताला टूटा मिला। कमरे में रखा पुराना जनरेटर गायब था, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई गई। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना

शुरू की और संदिग्धों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान सुखदेव सिंह पिता बिकनू सिंह, उम्र 28 वर्ष, सकेन्द्र उर्फ सतेंद्र सिंह पिता रंगलाल सिंह, उम्र 35 वर्ष, पूजन सिंह पिता शुभकरण सिंह, उम्र 27 वर्ष, अब्दुल साहिद पिता सुल्तान सिंह, उम्र 23 वर्ष तथा एक 17 वर्षीय बाल अपचारी से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। आरोपियों के मेमोरेण्डम के आधार पर पुलिस ने चोरी गया जनरेटर बरामद कर जब्त कर लिया। मामले में गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जबकि बाल अपचारी के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की गई। गोहपारू पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर का किया निरीक्षण

मरीजों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की ली जानकारी

साहिल खान

शहडोल। शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. जी.एस. परिहार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवा वितरण, साफ-सफाई, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। क्षेत्रीय संचालक ने अस्पताल प्रबंधन एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल में पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई, आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता तथा मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. परिहार ने एनीमिया की जांच, मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार के लिए आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, गर्भवती महिलाओं की नियमित एवं विशेष जांच तथा बच्चों के नियमित टीकाकरण सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की



समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा संचालित स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। क्षेत्रीय संचालक ने अस्पताल में उपचाररत मरीजों से भी संवाद किया और उनसे अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार,

दवा वितरण तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर निगरानी करते हुए मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

शहडोल पुलिस की अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई, 7 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

साहिल खान

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में अवैध खनन, रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन सहित अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम रैयकरा स्थित समथीन नदी घाट में अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन किए जाने की सूचना पर थाना प्रभारी ब्यौहारी के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने समथीन नदी घाट पर जांच के दौरान अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में प्रयुक्त कुल 7 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त कीं। जब्त वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। मामले में संबंधित 7 आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जब्त वाहनों में अमित कुमार चतुर्वेदी का न्यू सोल्ड स्वराज ट्रैक्टर, उदय शंकर चतुर्वेदी का स्वराज ट्रैक्टर क्रमांक MP18-AB-4333,

हरिओम कुमार सेन का स्वराज ट्रैक्टर क्रमांक MP18-AB-4957, आशुतोष सिंह का न्यू सोल्ड स्वराज ट्रैक्टर, अमित पाठक का महिंद्रा युवो ट्रैक्टर क्रमांक MP18-AB-3064, रामकलेश पाठक का पावरट्रैक्टर ट्रैक्टर तथा शेषमणि पाठक का जॉन डियर ट्रैक्टर क्रमांक MP18-AB-0438 शामिल है। संबंधित वाहन पर MP18-AB-8232 नंबर भी अंकित पाया गया। पुलिस द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के संबंध में प्रकरण पंजीबद्ध कर संबंधित आरोपियों और जब्त वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अभिलाष मिश्रा के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक नरेंद्र उपाध्याय, प्रधान आरक्षक अनिल सिंह, प्रधान आरक्षक बिलाल खान, आरक्षक विवेक सूर्या, आरक्षक ऋषभ शुक्ला, आरक्षक अभिषेक तिवारी, आरक्षक पंकज मेहरा, आरक्षक सुजीत सिंह एवं आरक्षक दीपक रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



इंदौर शहर में 21 लाख वृक्षारोपण अभियान, सुपर कॉरिडोर पर बनेगा इंदौर का “नगर वन”

»» मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संत महंतों की उपस्थिति में उनके साथ किया 21000 पौधा रोपण का शुभारंभ साधु-संतों के सानिध्य में वटुकों के शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच बोहरा कॉलोनी में हुआ 21 हजार पौधों का रोपण

»» इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर विकसित होगा विशाल नगर वन, तालाब में तैरती बोटिंग के साथ शहरवासियों को मिलेगी प्राकृतिक सुविधाओं की सौगात इंदौर में नगर वन के विकास के लिए मंत्री विजयवर्गीय ने केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से करी बात, इसके विकास में पैसों की नहीं आने देंगे कमी

»» 100 एकड़ जमीन पर लगेंगे लाखों पौधे, भविष्य में शहर के लिए यह “नगर वन” ऑक्सीजन झोन का करेगा काम - कैलाश विजयवर्गीय

»» इंदौर - बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में सुपर कॉरिडोर पर गांधी नगर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित बोहरा कॉलोनी में संत महंतों की विशेष उपस्थिति में 21 हजार पौधे रोपकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जिस तरह रक्षाबंधन बहनों की रक्षा का पर्व है उसी तरह वृक्षारोपण धरती माँ की रक्षा का महोत्सव है।

साधु-संतों की उपस्थिति में यह धरती तीर्थ समान हो गई है

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विश्व का बड़ा हिस्सा इस समय प्रदूषण की चपेट में है। ऐसे समय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक पेड़ माँ के नाम से वृक्षारोपण का उद्घोष कर धरती को हरा-भरा करने का संदेश दिया। उन्होंने दुनिया भर के लोगों को संदेश दिया और कहा हम वृक्ष लगा रहे हैं, सौर ऊर्जा से बिजली बना रहे हैं। इस तरह हम धरती को बेहतर पर्यावरण प्रदान कर रहे हैं। यहां पर आज इतने संतों के आगमन से



यह धरती पवित्र हो गई। संतों के वृक्षारोपण करने से यह क्षेत्र तीर्थ बन जाएगा। एक पेड़ लगाना शिव मंदिर के समान है क्योंकि वृक्ष जहरीली गैस रुपी जहर को सोखकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन का अमृत प्रदान करते हैं। पेड़ हमें जीवन देते हैं इसलिए हमारा कर्तव्य है कि जो हमें जीवन दे रहा है उसकी संख्या को बढ़ाएं। 2024 में हमने 51 लाख वृक्ष लगाए थे और साथ ही 12 लाख 40 हजार पौधारोपण का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। मुझे यह कहते हुए गर्व है कि वो सभी पौधे अभी जीवित हैं और वृक्ष बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसा लगता है कि वो वृक्ष मुस्कुरा रहे हैं। इसी तरह का सघन वन यहां भी आकार लेगा। प्रकृति के अदभुत नजारे यहां भी दिखाई देंगे। इस जमीन को नगर निगम ने वन विभाग से लिया है और यहां पर फव्वारे, तालाब और दूसरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इस जमीन पर ऐसे फलदार वृक्ष लगाए जाएंगे, जो प्रवासी पक्षियों को आकर्षित

करेंगे। प्रवासी पक्षी शीतकाल में हजारों किलोमीटर की सफर तय कर यूरोप से हमारे यहां पर आते हैं। हमारी कोशिश है कि वे पक्षी इस स्थान पर अपना बसेरा बनाएं। इसके बाद 5 सितंबर के दतूनी पहाड़ी पर महा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जाएगा। वहां पर भी हजारों पेड़ लगाकर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा और भविष्य में दतूनी पहाड़ी पर भी लाखों पेड़ आपको लहलहाते दिखाई देंगे। इस तरह भविष्य का स्वच्छ इंदौर हरा-भरा हरित इंदौर भी होगा।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है। जिस संकल्प के साथ साधु-संत जुड़ जाते हैं वह संकल्प सिद्ध हो जाता है। कैलाशजी केवल पौधा लगाते नहीं हैं, बल्कि उसकी पूरी जिम्मेदारी लेकर उसको विशाल वृक्ष भी बनाते हैं।

100 एकड़ जमीन पर सघन वन लेगा आकार

सुपर कॉरिडोर के बोहरा कॉलोनी स्थित वन विभाग की इस 100 एकड़ भूमि को “नगर वन” के रूप में विकसित किया जाएगा। इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए बड़े बजट की जरूरत होगी, इसके लिए मंत्री विजयवर्गीय ने केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से बात की है। इसके तहत इस रिक्त भूमि पर आने वाले समय में लाखों वृक्षों का रोपण कर घना वन विकसित किया जाएगा। यहां पर वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए वर्तमान में मौजूद तालाब का विस्तार किया जाएगा, जिसमें बोटिंग की सुविधा भी शहरवासियों के लिए होगी, साथ ही दूसरी सुविधाएं भी यहां पर उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे यह आने वाले समय में शहर के लिए ऑक्सीजन जोन का कार्य करें और पक्षियों के कलरव के साथ यहां पर शहरवासी भी प्रकृति का आनंद लेने के लिए आएंगे। इस कार्य को सुनियोजित नीति बनाकर किया जा रहा है। नगर निगम के वास्तुकारों का सहयोग लिया जा रहा है। तालाब से लेकर बाकी सुविधाएं कहां पर आकार लेगी यह विशेषज्ञों की सलाह पर किया जाएगा। तालाब में नौकायान की सुविधा भी रहेगी। बुधवार को रोपे गए 21 हजार पौधों में बड़ी संख्या में फलदार वृक्षों का भी रोपण किया गया।

साधु-संतों के साथ लोगों ने किया वृक्षारोपण

मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक मधु वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, ग्रामीण अध्यक्ष श्रवण चावड़ा, राजेंद्र राठौर, वीरेंद्र व्यास, रामगोपाल दास महाराज, पवन दास जी महाराज, पवनानंदजी महाराज, चैतन्य स्वरूप जी महाराज, राधे-राधे बाबा, रामचरण जी महाराज, रामायणी महाराज, हंसदास मठ, विद्याधाम और राम मंदिर पंचकुड़िया के बटुक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बटुकों के शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच साधु-संतों और उपस्थित राजनेताओं ने वृक्षारोपण किया।

रक्षाबंधन से पहले खाद्य सुरक्षा प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 350 किलो मिठाई जब्त

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर,। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए इंदौर में खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया। इसी दौरान हवा बंगला रोड स्थित मां भुवनेश्वरी एंटरप्राइजेज पर कार्रवाई करते हुए करीब 350 किलोग्राम मिठाई जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के संयुक्त दल ने ऋषि नगर स्थित प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। मौके पर गुजरात से आई श्री गोविंद स्वीट्स की 10-10 किलोग्राम की कंपनी पैकिंग में मिठाई मिली। विभाग के अनुसार, पैकेट खोलकर मिठाई को पेड़े के आकार में तैयार कर पारदर्शी डिब्बों में बिना आवश्यक डिक्लैरेशन के बिक्री के लिए रखा गया था।



प्रारंभिक निरीक्षण में मिठाई में मिल्क सॉलिड के साथ वेजिटेबल फैट के उपयोग की जानकारी सामने आई। विभाग ने मौके से मिठाई के चार



नमूने जांच के लिए लिए और लगभग 350 किलो मिठाई को जांच रिपोर्ट आने तक जब्त कर लिया। अन्य प्रतिष्ठानों से भी नमूने लिए-रक्षाबंधन

अभियान के तहत विजयनगर स्थित जैन नमकीन से विभिन्न प्रकार के नमकीन के 6 नमूने, जबकि दिव्यरक कॉलोनी स्थित गोकुल प्रोडक्ट सप्लायर से मिठाई के 3 नमूने लिए गए। इसके अलावा भगत सिंह नगर स्थित मेसर्स श्री कृष्णा दूध दही भंडार का निरीक्षण कर मावा और मावा कतली के नमूने भी जांच के लिए लिए गए। सभी नमूनों को खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित नियमों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान मिठाई, नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मेरे मरने के बाद

मेरे मरने के बाद,
जब मैं श्मशान की ओर जाऊँगा,
शायद आखिरी बार
अपने ही लोगों को अपने आसपास पाऊँगा।

कोई मेरी अच्छी याद लेकर आएगा,
कोई मेरी कोई बुरी बात याद करेगा,
कोई चुपचाप खड़ा रहेगा,
तो कोई मेरे चले जाने के बाद
मेरी पूरी जिंदगी का हिसाब करेगा।

जो बातें मेरे मुँह पर
कभी कह नहीं पाए,
शायद मेरी अर्थी के पास खड़े होकर कहेंगे—
“वो ऐसा था... वो वैसा था...”
मैं सब सुनना चाहूँगा,
मगर तब सुनने के लिए
मैं वहाँ रहूँगा ही कहाँ?

शायद कुछ आँखें सच में रोएँगी,
कुछ आँखें सिर्फ रस्म निभाएँगी,
कुछ देर के लिए मेरी अच्छाइयाँ गिनाएँगी,
और कुछ मेरी गलतियाँ भी दोहराएँगी।

पर सबसे अजीब बात तो यह होगी—
जिनके पास मैं कभी सहारे के लिए गया था,
जिनसे कहा था—
“थोड़ा साथ दे दो,
आज मुझे तुम्हारी जरूरत है...”

शायद उस दिन
वही लोग मेरी अर्थी को कंधा देंगे।

जिस कंधे की मुझे जीते-जी जरूरत थी,
वह कंधा मुझे मरने के बाद मिलेगा।
जिस हाथ को मैंने मुश्किल वक्त में खोजा था,
वही हाथ मेरी अर्थी थामेगा।

लेकिन तब उस सहारे का
मैं क्या करूँगा?

जब साँस थी, तब दो पल साथ बैठ जाते,
जब आँखें थीं, तब प्यार से देख लेते,
जब कान थे, तब दो अच्छे शब्द कह देते,
जब दिल धड़कता था, तब गले लगा लेते,
तो शायद जिंदगी कुछ और होती।

मेरे जाने के बाद
मेरी तारीफ़ मत करना,
अगर जीते-जी कभी मेरा दिल नहीं रख पाए।

मेरी अर्थी पर फूल मत चढ़ाना,
अगर मेरे जीते-जी
मेरे हिस्से में दो मीठे बोल भी नहीं थे।

और कंधा जरूर देना...।
पर एक बार यह भी सोचना—
जिस इंसान को आज चार कंधों की जरूरत है,
उसने जिंदगी में कितनी बार
सिर्फ एक कंधा माँगा होगा।

आज शरीर शांत है,

इसलिए कोई शिकायत नहीं करेगा।
आज होंठ बंद हैं,
इसलिए कोई जवाब नहीं आएगा।
आज दिल धड़कना छोड़ चुका है,
इसलिए किसी बात से दुख भी नहीं होगा।

पर कल तक यही शरीर चलता था,
यही दिल महसूस करता था,
यही आँखें अपनों को तलाशती थीं,
और यही इंसान
थोड़े से अपनेपन की उम्मीद रखता था।

श्मशान से लौटकर
सब अपने-अपने घर चले जाएँगे।
कुछ दिन तस्वीर पर फूल रहेंगे,
कुछ दिन मेरा नाम बातचीत में रहेगा,
फिर धीरे-धीरे
जिंदगी सबको आगे ले जाएगी।

और मैं...।
एक तस्वीर,
कुछ किस्से,
कुछ अच्छी-बुरी यादें
और किसी तारीख में बदल जाऊँगा।

इसलिए मेरे मरने के बाद
मैं कैसा था, यह मत बताना।

जब मैं जिंदा हूँ,
तब बता देना कि मैं तुम्हारे लिए क्या हूँ।

मरने के बाद कंधा देने से अच्छा है,
जीते-जी किसी गिरते हुए इंसान को थाम लेना।

क्योंकि अर्थी को दिया हुआ कंधा
सिर्फ शरीर को श्मशान तक पहुँचाता है,
लेकिन जीते-जी दिया हुआ कंधा
कभी-कभी इंसान को
फिर से जिंदगी तक पहुँचा देता है।

मेरे मरने के बाद मुझे याद मत करना...।
अगर याद करना ही है,
तो आज कर लो—
क्योंकि उस दिन शरीर तो मेरा होगा,
पर मैं नहीं होऊँगा।



मेहंदवानी ब्लॉक में नेटवर्क नहीं, सरकारी और गैर-सरकारी कामकाज प्रभावित



मेहंदवानी। जिला डिंडोरी के मेहंदवानी ब्लॉक में पिछले कई दिनों से मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवा की बर्दाश्त स्थिति के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेटवर्क की समस्या के चलते सरकारी और गैर-सरकारी दोनों तरह के ऑनलाइन काम प्रभावित हो रहे हैं। कई जरूरी सेवाएं समय पर पूरी नहीं हो पा रही हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वर्तमान समय में अधिकांश सरकारी सेवाएं, बैंकिंग कार्य, ऑनलाइन भुगतान, आधार से संबंधित कार्य, दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन, विद्यार्थियों के ऑनलाइन कार्य तथा अन्य जरूरी सेवाएं इंटरनेट पर निर्भर हैं। लेकिन नेटवर्क ठप होने के कारण लोगों को बार-बार प्रयास करने के बावजूद काम पूरा नहीं हो पा रहा है। कई लोगों को जरूरी काम के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाकर नेटवर्क तलाशना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नेटवर्क की समस्या कोई एक-दो घंटे की परेशानी नहीं है, बल्कि पिछले कई दिनों से लगातार बनी हुई है। नेटवर्क कमजोर होने के कारण मोबाइल पर बातचीत करना भी मुश्किल हो गया है। इंटरनेट आधारित काम पूरी तरह प्रभावित होने से ग्रामीणों को समय और पैसे दोनों की अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है।

रक्षाबंधन के त्योहार पर भी चिंता

अब रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है। ऐसे में लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि यदि

नेटवर्क की समस्या इसी तरह जारी रही तो क्या उन्हें बिना नेटवर्क के ही रक्षाबंधन का त्योहार मनाना पड़ेगा? त्योहार के समय दूर-दराज रहने वाले परिवारों और रिश्तेदारों से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क करना जरूरी होता है। लेकिन नेटवर्क की स्थिति खराब होने से लोगों को अपने परिजनों से बातचीत करने में भी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि त्योहार के समय बाजार, बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान और अन्य डिजिटल सेवाओं की जरूरत और बढ़ जाती है। ऐसे में नेटवर्क व्यवस्था का सुचारू होना बेहद जरूरी है।

जनता ने की कार्रवाई की मांग

मेहंदवानी क्षेत्र की जनता ने संबंधित मोबाइल नेटवर्क कंपनियों और जिम्मेदार अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि नेटवर्क टावरों और तकनीकी व्यवस्था की जांच कर खराबी को जल्द दूर किया जाए, ताकि सरकारी, गैर-सरकारी और आमजन से जुड़े जरूरी काम दोबारा सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

जनता ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नेटवर्क व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो समस्या को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई जाएगी। लोगों की मांग है कि मेहंदवानी ब्लॉक में नेटवर्क सेवा को जल्द से जल्द दुरुस्त कर आमजन को राहत दी जाए।

छात्राओं की परीक्षा के बीच कॉलेज में आयोजन, शोर को लेकर उठे सवाल

पुनीत सेन

खंडवा। शासकीय माखनलाल चतुर्वेदी कन्या महाविद्यालय में 21 और 22 अगस्त को आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद को लेकर शिवसेना ने सवाल उठाए हैं। जिला प्रमुख गणेश भावसार ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के दौरान छात्राओं की परीक्षाएं भी चल रही थीं, जिससे शोर और भीड़ के कारण परेशानी हुई।

उन्होंने कार्यक्रम के समय, स्थान, ध्वनि व्यवस्था और प्रशासनिक अनुमति की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, कॉलेज प्राचार्य विनय जैन का कहना है कि परीक्षा व्यवस्था प्रभावित नहीं हुई और कार्यक्रम परीक्षा केंद्र से करीब 100 मीटर दूर आयोजित किया गया था। शिवसेना ने मांग की है कि यह स्पष्ट किया जाए



कि ध्वनि विस्तारक यंत्र की अनुमति ली गई थी या नहीं और क्या निर्धारित नियमों का पालन हुआ। प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

कहाँ है जननायक? कहाँ है जनसेवक?

गोपाल गांवडे जी की कलम से संपादक -रणजीत टाइम्स	तो सवाल उठना स्वाभाविक है।	चाहिए।
नेता तो बहुत हैं इस देश में, पर जननायक कहाँ है? भाषण तो हर मंच पर गूँज रहे, पर जनता की सुनने वाला कहाँ है?	अगर आपके नाम की आड़ लेकर कोई लोगों को धमकाता है, किसी की जमीन पर कब्जे की कोशिश करता है, दबाव बनाता है, या अपने प्रभाव का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए करता है—	जननायक जी, आपको जनता ने सिर्फ चुनाव जिताने के लिए नहीं चुना, अपनी आवाज़ बनाने के लिए चुना है।
जिसे हमने अपना मत देकर विधानसभा तक पहुँचाया था, वो हमारा प्रतिनिधि था— फिर हमसे इतना दूर कैसे हो गया?	तो उसे रोकना भी जननायक का ही कर्तव्य है।	किसी माँ को इलाज के लिए भटकना न पड़े, किसी बच्चे की पढ़ाई गरीबी से न रुके, किसी युवा को रोजगार के लिए भटकना न पड़े, किसी व्यापारी को व्यवस्था से डरना न पड़े, और किसी सामान्य नागरिक को आपके ही आसपास के प्रभावशाली लोगों से भयभीत न होना पड़े।
जनसेवक का अर्थ कुर्सी नहीं, जनता की सेवा है। जननायक का अर्थ चेहरा नहीं, जनता की आवाज़ बनना है।	क्योंकि जननायक होना सिर्फ स्वयं गलत काम न करना नहीं है, अपने नाम और प्रभाव की आड़ में गलत काम न होने देना भी है।	हर विधानसभा सँवर जाए, तो प्रदेश सँवर जाएगा। हर प्रदेश सँवर जाए, तो भारत सँवर जाएगा।
अगर भारत की हर विधानसभा में वहीं की समस्याएँ हल होने लगेँ, हर जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र को अपना परिवार समझने लगे, तो सोचिए— देश की कितनी समस्याएँ अपने आप खत्म हो जाएँगी।	आपके साथ तस्वीर खिंचवाने वाला हर व्यक्ति आपका सच्चा कार्यकर्ता नहीं होता। सच्चा कार्यकर्ता वह है जो किसी गरीब की जमीन बचाए, किसी की जमीन छीने नहीं।	हमें सिर्फ नेता नहीं चाहिए, हमें जननायक चाहिए।
कहीं स्कूल है, पर शिक्षक नहीं, कहीं अस्पताल है, पर डॉक्टर नहीं, कहीं सड़क है, पर चलने लायक नहीं, कहीं डिग्री है, पर रोजगार नहीं, कहीं हुनर है, पर अवसर नहीं, और कहीं व्यापारी व्यवस्था से ही लड़ रहा है।	जो कमजोर की आवाज़ बने, उसे धमकाए नहीं।	हमें ऐसा जनसेवक चाहिए जो चुनाव के समय ही दरवाजे पर न आए, बल्कि मुसीबत के समय दरवाजे पर खड़ा मिले।
युवा इंस्टाग्राम की रीलें में व्यस्त है, बुजुर्ग फेसबुक की दुनिया में, और जिसे न्याय नहीं मिला— वो आज भी सड़क पर खड़ा है।	जो जनता का काम करवाए, जननायक के नाम का इस्तेमाल करके अपना काम न बनाए।	और ऐसा जननायक चाहिए जो अपने विरोधियों की गलतियों पर ही नहीं, अपने लोगों की गलतियों पर भी उतनी ही मजबूती से खड़ा हो।
लेकिन जननायक जी, एक सवाल आपके आसपास भी है—	जननायक जी, अपने आसपास भी देखिए।	क्योंकि जिस दिन जननायक अपने आसपास के गलत हाथों को रोक देगा, जनसेवक अपना कर्तव्य निभाएगा, युवा अपनी शक्ति पहचानेगा और नागरिक अपनी जिम्मेदारी—
आपके साथ चलने वाले कौन हैं? और वे जनता के लिए क्या कर रहे हैं?	कौन जनता को आपके पास ला रहा है और कौन आपके नाम से जनता के रास्ते बंद कर रहा है?	उस दिन विकास पोस्टरों पर नहीं, हर गली, हर गाँव, हर विधानसभा और हर घर में दिखाई देगा।
जो कल कार्यकर्ता बनकर जनता की सेवा की बात करते थे, क्या आज उनमें से कुछ सिर्फ अपने कारोबार, जमीन और प्रॉपर्टी के सौदों में व्यस्त तो नहीं हो गए?	गलत करने वाला जितना जिम्मेदार है, उसे देखकर भी चुप रहने वाली व्यवस्था से जनता सवाल जरूर पूछेगी।	फिर शायद पूछना नहीं पड़ेगा— “कहाँ है जननायक? कहाँ है जनसेवक?”
जननायक की छाया में अगर किसी की अपनी तरक्की होती रहे, और उसी क्षेत्र की जनता अपनी परेशानी लेकर भटकती रहे,	इसलिए जननायक का धर्म है— जनता को गलत लोगों से बचाना, चाहे वे गलत लोग उसके कितने ही करीबी क्यों न हों।	क्योंकि सच्चे जननायक की पहचान उसके पीछे चलने वाली भीड़ नहीं, उसके राज में निडर होकर जीती हुई जनता होती है।

अपना दल (एस) ने 31 पदाधिकारियों की घोषणा के साथ किया मध्य प्रदेश में संगठन का विस्तार

भोपाल/लखनऊ। अपना दल (एस) ने मध्य प्रदेश में संगठन को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश संगठन और विभिन्न मंचों के लिए कुल 31 नए पदाधिकारियों की घोषणा की है।

पार्टी की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह नियुक्तियां मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन की संस्तुति तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में की गई हैं। पार्टी नेतृत्व के अनुसार नई जिम्मेदारियों के जरिए संगठन को प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और विषय आधारित मंचों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इन नियुक्तियों पर अपना दल (एस) के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव आर.बी. सिंह पटेल ने मध्य प्रदेश में संगठन विस्तार को पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि, “नई जिम्मेदारियां केवल पद नहीं हैं, बल्कि संगठन और समाज के बीच संवाद को मजबूत करने का दायित्व हैं। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के हर क्षेत्र और हर वर्ग तक पार्टी की विचारधारा, नीतियों और जनसरोकारों की आवाज प्रभावी ढंग से पहुंचे।”

पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा, “मध्य प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में किसी भी संगठन की मजबूती का आधार उसका जमीनी नेटवर्क होता है। अलग-अलग सामाजिक और विषय आधारित मंचों को सक्रिय जिम्मेदारियां देना संगठन को बूथ और जनस्तर तक विस्तार देने की दिशा में उपयोगी कदम है। आशा है आने वाले समय में यह टीम स्थानीय मुद्दों और जनसरोकारों के साथ लगातार सक्रिय रहेगी और अपना दल (एस) प्रदेश की राजनीति में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा।”

प्रदेश संगठन में 20 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी-प्रदेश संगठन में देवेंद्र प्रताप सिंह, अमृत लाल पटेल तथा कैलाश गवांडे को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में एस.आर. नागले, सीताशरण सिंह और सुखेंद्र सिंह को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं प्रदेश सचिव के रूप में राजेश कुमार पाल, रोशन पटेल, मनभरण कोल, बृजमान सिंह, नरेन्द्र सिंह, भूपेन्द्र पटेल, विजय सिंह (सेवानिवृत्त आर्मी), राजेश्वर मिश्रा और विजय पटेल को नियुक्त किया गया है। जबकि रोहित सिंह चन्देल को प्रदेश मीडिया सचिव (प्रवक्ता) की जिम्मेदारी सौंपी गई है और मोहित गुप्ता को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अतिरिक्त बाबूराम शेषकर, हरीश तलरेजा और डॉ. सुरेन्द्र नाहर को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है। इन पदाधिकारियों का प्रतिनिधित्व भोपाल, मऊगंज, इंदौर, बैतूल, रीवा, सतना, सिंगरौली, विदिशा और मैहर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से है।

विभिन्न मंचों को भी मिली नई टीम-पार्टी ने सामाजिक और विषय आधारित मंचों के विस्तार पर भी जोर दिया है। कैलाश वाईकर को प्रदेश अध्यक्ष (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति मंच), डॉ. एनपी कनाटे को प्रदेश अध्यक्ष (बौद्धिक मंच), झनकलाल पटेल को प्रदेश अध्यक्ष (किसान मंच) तथा डॉ. रमेश कुमार उर्सेटे को प्रदेश अध्यक्ष (चिकित्सा मंच) बनाया गया है। इसी प्रकार एडवोकेट राघव पटेल को प्रदेश उपाध्यक्ष (विधि मंच), अनिल जयसवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष (व्यापार मंच) और राजेन्द्र पटेल को प्रदेश उपाध्यक्ष (आईटी मंच) की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं किसान मंच में अर्जुन सिंह पटेल और हरप्रसाद पटेल को प्रदेश महासचिव बनाया गया है। एडवोकेट दिनेश पटेल को प्रदेश महासचिव (विधि मंच) तथा डीपी पटेल को प्रदेश महासचिव (शिक्षक मंच) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के इस विस्तार को मध्य प्रदेश में संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। एक ओर प्रदेश स्तर पर नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां दी गई हैं, वहीं दूसरी ओर किसान, व्यापार, चिकित्सा, शिक्षा, विधि, आईटी, बौद्धिक और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति जैसे मंचों के जरिए अलग-अलग वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने की कोशिश की गई है।

फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही पर 7 पटवारियों को नोटिस

शहडोल, 1 कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल के निर्देशन में जिले में फार्मर रजिस्ट्री एवं फार्मर आईडी से संबंधित कार्यों की प्रगति की लगातार समीक्षा की जा रही है। अ संबंधित पटवारियों को तीन दिवस के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन पटवारियों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें पटवारी हल्का खेतौली की श्रीमती चित्रा धर्या, पटवारी हल्का हरा-98 के श्री राजेश्वर मेहरा, पटवारी हल्का भानपुर-105 के श्री निलेश पांडे, पटवारी हल्का बिरुहली के श्री सूर्यभानु सिंह, पटवारी हल्का कटकोना की श्रीमती ज्योति मिश्रा, पटवारी हल्का छाता के श्री सुजीत श्रीवास्तव तथा पटवारी हल्का खोह के श्री रफीक खान शामिल हैं। इन सभी से फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है।



नेपाल में कुदरत का कहर: भोटेकोशी की बाढ़ में 157 शव बरामद, सैकड़ों लापता

तिब्बत सीमा से आई विनाशकारी बाढ़ ने मचाई तबाही, 133 भारतीय भी लापता लोगों में शामिल, नेपाल पुलिस ने नदी किनारे से दूर रहने की अपील की

काठमांडू/रसुवा। नेपाल में भोटेकोशी नदी में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी Reuters की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ प्रभावित इलाकों से 157 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि सैकड़ों लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

26 अगस्त की सुबह नेपाल-तिब्बत सीमा से लगे रसुवा जिले में अचानक पानी, मलबे और चट्टानों का सैलाब आया। टिपुरे और स्याफ्रुबेसी सहित कई इलाकों में बस्तियां, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचा इसकी चपेट में आ गया। कई हाइड्रोपावर परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है।



133 भारतीयों सहित सैकड़ों पर्यटक लापता- नेपाल टूरिज्म बोर्ड की जानकारी के मुताबिक 403 पर्यटकों के लापता होने की सूचना सामने आई है, जिनमें 341 विदेशी नागरिक शामिल बताए गए हैं। इनमें 133 भारतीय

नागरिक भी हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा सहित कई देशों के नागरिकों से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। नेपाल पुलिस के कम से कम 26 जवान भी लापता बताए गए हैं। नेपाल सेना ने हेलीकॉप्टर और आपदा राहत दलों को

प्रभावित इलाकों में लगाया है पुलिस की चेतावनी—नदी किनारे न जाएं- नेपाल पुलिस ने लोगों को चेतावनी जारी करते हुए भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के तटीय क्षेत्रों में अत्यधिक सतर्क रहने तथा सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। नुवाकोट, धादिङ, चितवन और गोरखा सहित निचले इलाकों में भी लोगों को सावधान रहने को कहा गया है।

भयावह वीडियो आए सामने- नेपाल से सामने आ रहे वीडियो में बाढ़ का रौद्र रूप दिखाई दे रहा है। मटमैले पानी और मलबे का विशाल सैलाब पहाड़ी घाटियों से गुजरते हुए अपने रास्ते में आने वाली संरचनाओं को बहाता दिखाई दे रहा है। नेपाल पुलिस सहित स्थानीय एजेंसियों द्वारा भी आपदा से जुड़े दृश्य साझा किए गए हैं।

बाढ़ के सटीक कारण की जांच जारी है। Reuters के मुताबिक विशेषज्ञों ने ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने और उससे पैदा हुई ice-rock avalanche को संभावित कारण बताया है, हालांकि घटना के सटीक ट्रिगर पर जांच अभी जारी है।

रणजीत टाइम्स की अपील: नेपाल में मौजूद भारतीय नागरिक एवं पर्यटक स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के निर्देशों का पालन करें। नदी, पुल और बाढ़ प्रभावित इलाकों में वीडियो बनाने या तस्वीरें लेने के लिए न जाएं। सोशल मीडिया पर केवल सत्यापित जानकारी ही साझा करें।

रणजीत टाइम्स- नेपाल की इस भीषण प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना।

जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन भारतीय मंत्रीस्तरीय संसद का आयोजन पूर्व मंत्री स्व दादा निर्भय सिंह पटेल की स्मृति में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन दिव्यांग विद्यार्थियों ने भी प्रतियोगिता में लिया भाग



इंदौर। विधायक एवं स्व दादा निर्भय सिंह पटेल स्मृति विचार मंच के संयोजक मनोज पटेल ने बताया कि मध्य-प्रदेश के पूर्व मंत्री स्व निर्भय सिंह पटेल के 30 वें पुण्य स्मरण समारोह पर आयोजित भारतीय मंत्रीस्तरीय संसद के अंतर्गत जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन जाल सभागृह में जनपद अध्यक्ष गुमान सिंह पंवार, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण पटेल, जिला मंत्री जालम सिंह सोलंकी, पार्षद सोनाली धारकर, मंडल अध्यक्ष राजू जाट, देवकरण दरबार, सोहन पटेल, सुनील जाधव, सुशील शर्मा की उपस्थिति में हुआ।

विधायक श्री पटेल ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों को

विदेश मंत्रालय की भूमिका निभाते हुए वर्तमान मैनीफेस्टो एवं नीतियों का अवलोकन करते हुए अपने विचार रखने एवं युवाओं को नीति निर्माण एवं शासन व्यवस्था को समझाने, नेतृत्व कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। विधायक श्री पटेल ने बताया कि मंत्री स्तरीय संसद में “क्या विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भारत की विदेश नीति को वैश्विक नेतृत्व आधारित कूटनीतिक दृष्टिकोण को और बढ़ावा देना चाहिए” विषय पर आधारित वाद - विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों, वैश्विक रिश्ते में प्रगढ़ता, g 20 की अध्यक्षता करने, ग्लोबल साउथ में विकासशील देशों की आवाज को उठाने, खाड़ी देशों से मजबूत सम्बन्ध जैसे विषयों पर विचार रखते हुए 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया। निर्णायक विश्व विद्यालय की डिबेटर रही शिक्षाविद डॉक्टर रचना बजाज, श्वेता शारडा, अधिवक्ता मयंक शर्मा थे। विपक्ष में प्रथम सेज कॉलेज के शोभित नागर, द्वितीय होल्कर कॉलेज के भूपेंद्र यादव रहे एवं पक्ष में प्रथम आईपीएस कॉलेज की छात्रा संस्कृति शर्मा और द्वितीय प्रेस्टीज कॉलेज के छात्रः आयुष चौहान रहे। ओवरऑल विजेता प्रथम संस्कृति शर्मा एवं द्वितीय आयुष चौहान रहे।

इंदौर युवा मोर्चा अध्यक्ष पद पर घमासान, सामाजिक समीकरणों के बीच सार्थक जैन का नाम चर्चा में

सुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। भारतीय जनता युवा मोर्चा इंदौर महानगर के अध्यक्ष पद को लेकर संगठन के भीतर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। संभावित दावेदारों के नामों के साथ-साथ सामाजिक समीकरण और संगठनात्मक पृष्ठभूमि को लेकर भी चर्चाओं का दौर जारी है। हालिया संगठनात्मक नियुक्तियों के बाद अध्यक्ष पद की दौड़ का गणित भी काफी बदलता नजर आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से हाल ही में मुक्त होकर आए सार्थक जैन का नाम युवा मोर्चा अध्यक्ष पद के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। संगठन के भीतर चर्चा है कि विद्यार्थी परिषद के कुछ उच्च पदाधिकारियों द्वारा सार्थक जैन के नाम को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर पर भी दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि, अंतिम निर्णय संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा ही किया जाना है।

दूसरी ओर, हाल ही में किसान मोर्चा के अध्यक्ष बनाए गए रजनीश वर्मा के खाती समाज से होने के कारण युवा मोर्चा अध्यक्ष पद के लिए इसी समाज से प्रमुख दावेदार माने जा रहे रोहित चौधरी और अक्षय चौधरी के समीकरण पर असर पड़ा है। संगठन में एक ही सामाजिक वर्ग को लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की स्थिति में युवा मोर्चा के लिए अन्य सामाजिक समीकरणों पर विचार किए जाने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, मयूरेश पिंगले के नाम को लेकर भी

पहले संगठन के अंदर चर्चा थी, लेकिन उनकी उम्र और पूर्व संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी को लेकर उठे सवाल के बाद उनकी दावेदारी कमजोर मानी जा रही है। पार्टी के आयु संबंधी मानदंडों को देखते हुए भी उनका नाम अब पहले की तुलना में कम चर्चा में है।

इसी तरह धीरज ठाकुर भी उम्र संबंधी समीकरणों के चलते अध्यक्ष पद की दौड़ में पिछड़ते दिखाई दे रहे हैं। दूसरी ओर अमित पालीवाल और अमित सिंह कुशवाह जैसे नामों को लेकर चर्चा है कि सामान्य वर्ग से आने के कारण उनका समीकरण वर्तमान संगठनात्मक परिस्थितियों में अपेक्षाकृत कमजोर हो सकता है।

इसकी एक वजह यह भी मानी जा रही है कि इंदौर भाजपा के मुख्य संगठन की जिम्मेदारी पहले से सामान्य वर्ग के नेतृत्व के पास है। ऐसे में युवा मोर्चा अध्यक्ष पद का फैसला केवल व्यक्तिगत दावेदारी पर नहीं, बल्कि संगठनात्मक अनुभव, आयु, सामाजिक संतुलन और वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखकर होने की संभावना है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि इंदौर युवा मोर्चा की कमान संगठनात्मक पृष्ठभूमि वाले सार्थक जैन को मिलती है या पार्टी नेतृत्व सामाजिक संतुलन और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए किसी अन्य चेहरे पर दांव लगाता है। अंतिम फैसला प्रदेश संगठन और भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व पर निर्भर करेगा।

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच बारिश से बाधित

● फॉलो-ऑन के बाद
श्रीलंका 229/6, सुथार
ने दो विकेट लिए

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो में खेला जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन श्रीलंका ने शानदार खेल दिखाया है। बारिश के कारण मैच बाधित हो रहा था। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया मजबूत स्थिति में है। मुकाबले के चौथे दिन का खेल शुरू होने के कुछ समय बाद ही श्रीलंका टीम पहली पारी में 290 रन पर सिमट गई। इससे पहले तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद श्रीलंका की टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर



265 रन बनाए थे। मेजबान टीम के लिए सोनल दिनुशा ने शतक लगाया वहीं पसिंदु सूरियाबंदारा ने अर्धशतक लगाया। भारत के

लिए मानव सुथार और प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। भारत ने कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका

सारांश जैन का पहला इंटरनेशनल विकेट

86.5 ओवर में सारांश जैन ने लाहिरू कुमारा को आउट कर अपना पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। फ्लाइट गेंद पर कुमारा ने सीधा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हल्की टर्न लेकर बल्ले के बाहरी किनारे से उछल गई। कवर-पॉइंट से दौड़ते हुए ध्रुव जुरेल ने आगे की ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। कुमारा 58 गेंद पर 12 रन बनाकर आउट हुए।

के 6 विकेट ले लिए हैं। चौथे दिन टीम का स्कोर 229 रन है। सोनल दिनुशा और केशरा नुवनथा क्रीज पर हैं। बुधवार को पसिंदु सूरियाबंदारा 92 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा 23 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। निरोशन डिकवेल्ला को सारांश जैन ने आउट किया।

कमिंदु मेंडिस 55 रन बनाकर प्रसिद्ध

कृष्णा की बॉल पर आउट हुए। इससे पहले कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज ने पवेलियन भेजा था।

भारत ने पहली पारी में 503/9 पर पारी घोषित की थी। जवाब में श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट हुआ था। इस हिसाब से भारत को 213 रन की बढ़त मिली थी, जिसके बाद फॉलोऑन दिया गया।



बुमराह से 697 दिन बाद टॉप रैंकिंग छिनी

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज,
टॉप-10 बल्लेबाजों में पंत और गिल

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर पहली बार आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैकाय टेस्ट में 10 विकेट लेने के बाद स्टार्क दो स्थान की छलांग लगाकर टॉप पर पहुंचे। उनके 872 रेटिंग पॉइंट हैं, जबकि बुमराह 862 पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने कुल 697 दिन नंबर-1 की रैंकिंग पर बिताए हैं। वे 7 फरवरी 2024 को पहली बार इस मुकाम पर पहुंचे थे। हालांकि, यह लगातार 697 दिन का आंकड़ा नहीं है। बीच में दूसरे गेंदबाज भी नंबर-1 बने, इसलिए बुमराह के अलग-अलग नंबर-1 कार्यकालों को जोड़कर यह आंकड़ा बना है। 697 दिन किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे लंबा संयुक्त नंबर-1 कार्यकाल है और टेस्ट इतिहास में यह 14वां सबसे लंबा है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 विशाखापट्टनम टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद पहली बार टॉप रैंक हासिल की थी। वह टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं, मौजूदा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल आठवें नंबर पर हैं।

बुमराह की गैरमौजूदगी और स्टार्क का प्रदर्शन बना वजह

बुमराह इस समय श्रीलंका के खिलाफ भारत की जारी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। उनकी गैरमौजूदगी के बीच स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ 10 विकेट लेकर टॉप पर पहुंच गए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। नके शानदार स्पेल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दोनों पारियों में 100 रन के अंदर समेट दिया और मैकाय टेस्ट पारी और 51 रन से जीत लिया।

● 2025 में 907 रेटिंग पॉइंट तक पहुंचे - बुमराह 2025 में भी टेस्ट रैंकिंग के टॉप पर बने रहे। जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद उनके रेटिंग पॉइंट 907 तक पहुंच गए थे। यह किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे बड़ा रेटिंग स्कोर था। बुमराह 2024 में आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर थे।

● जून 2026 में हेनरी के साथ संयुक्त नंबर-1 हुए थे - 2026 में बुमराह को न्यूजीलैंड के मेट हेनरी से भी चुनौती मिली। जून में हेनरी ने 11 विकेट लेकर बुमराह के साथ संयुक्त रूप से नंबर-1 स्थान हासिल किया था। हालांकि, इसके बाद बुमराह फिर टॉप पर पहुंच गए।

चार वर्ल्ड कप खेल चुके पाकिस्तान की तेज गेंदबाज ऐमन अनवर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास



लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की महिला तेज गेंदबाज ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को बताया कि तेज गेंदबाज ऐमन अनवर ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 2016 में पर्दापण करने वाली ऐमन अनवर ने पाकिस्तान के लिए 37 अंतरराष्ट्रीय टी-20 और आठ एकदिवसीय मैच खेले। अनवर ने पाकिस्तान के लिए अपना पहला मैच 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 में खेला था। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका में हुए आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2023 में खेला था। 34 साल की इस खिलाड़ी के नाम 29 टी20 विकेट और वनडे फॉर्मेट में चार विकेट दर्ज हैं। अनवर उस पाकिस्तानी स्काड का भी हिस्सा थीं जिसने 2018, 2020 और 2023 में महिला टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। उन्होंने 2022 में न्यूजीलैंड में हुए महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया था। इंग्लैंड के खिलाफ लीग स्टेज का मैच इस तेज गेंदबाज का टीम के लिए आखिरी वनडे मैच था।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा, मिलेगे ज्यादा पैसे

सिडनी (एजेंसी)। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीए) के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (एसीए) ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए।

नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्ट व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन

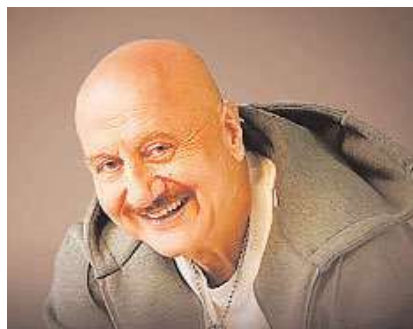


स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा।

साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर

एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जोश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे।

एक्टर बहुत
बहादुर होते हैं, कभी-
कभी टूटा दिल भी चाहिए
होता है : अनुपम खेर



अभिनेता अनुपम खेर पिछले कई दशकों से मनोरंजन जगत में राज कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने एक अभिनेता की खूबियों पर चर्चा की। उनका कहना है कि एक एक्टर व्यक्ति के उन सभी भावनाओं को पर्दे पर उतारता है, जिसे लोग जल्दी बाहर नहीं लाते हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने इन्स्टाग्राम पर अपने कुछ शानदार किरदारों की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने बताया कि एक एक्टर को बेशक अपनी कला के बदले नाम-शोहरत मिलती है, लेकिन एक्ट करते वक्त सिर्फ कलाकार की कला ही काम आती है। उन्होंने लिखा, 'एक अभिनेता का दिल और हुनर। अभिनेता बहुत ही नाजुक दिल के लोग होते हैं, जो अपनी उन भावनाओं को सभी के सामने लेकर आते हैं, जिन्हें लोग पूरी जिंदगी छिपाने की कोशिश करते हैं। अभिनेता ने बताया कि व्यक्ति को अपनी पूरी जिंदगी में, गम, डर, जलन, प्यार, खुशी, असुरक्षा की भावनाओं को अपने अंदर ही दूँढ़नी पड़ती है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि एक अभिनेता बहुत बहादुर होते हैं। क्योंकि बेशक, एक्टिंग से शोहरत, पैसा और ऐशो आसाम मिलते हैं, लेकिन एक्ट करते वक्त जब कभी चेहरे के सामने आता है।

सहजयोग ध्यान मन के संतुलन व जीवन के सहज आनंद का माध्यम



आज की तेज़ रफ़्तार जिंदगी में मनुष्य के पास लोगों से जुड़ने के अनेक साधन हैं, फिर भी भीतर से अकेलेपन का अनुभव बढ़ता जा रहा है। जीवन में असफलता, पारिवारिक तनाव, आर्थिक परेशानियाँ, व्यक्ति को धीरे-धीरे समाज और अपने लोगों से दूर कर सकती है। शुरुआत में एकांत सुकून देता है, लेकिन जब यही एकांत आदत बन जाता है, तो व्यक्ति भावनात्मक रूप से स्वयं को और अधिक अलग-थलग महसूस करने लगता है। ऐसी स्थिति में सहजयोग ध्यान व्यक्ति को अपने भीतर लौटने और सामूहिकता के माध्यम से सकारात्मक वातावरण से जुड़ने का मार्ग दिखाता है। सहजयोग में सामूहिक ध्यान का विशेष महत्व है। श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रतिपादित सहजयोग ध्यान पद्धति में आत्म-साक्षात्कार के बाद नियमित ध्यान के साथ सामूहिक ध्यान को भी महत्वपूर्ण माना गया है। सहजयोग के अनुसार, कुंडलिनी शक्ति के जागरण से व्यक्ति को अपने भीतर की शांति और संतुलन का अनुभव होने लगता है। जब साधक सामूहिक रूप से ध्यान करते हैं, तो उन्हें एक-दूसरे के साथ चैतन्य का अनुभव करने और अपनी ध्यानावस्था को गहरा करने का अवसर मिलता है। सहजयोग की

सामूहिकता केवल एक स्थान पर लोगों के साथ बैठने तक सीमित नहीं है। यह व्यक्ति को यह अनुभव कराने का माध्यम है कि आध्यात्मिक यात्रा में वह अकेला नहीं है। सामूहिक ध्यान में विभिन्न आयु, वर्ग और परिस्थितियों के लोग एक साथ बैठते हैं। सभी का उद्देश्य अपने भीतर की शांति को अनुभव करना और आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना होता है। इस प्रकार सामूहिकता सामाजिक और भावनात्मक दूरी को कम करने में सहायक वातावरण प्रदान करती है। जब मनुष्य अपनी समस्याओं में उलझकर अकेला महसूस करता है, तब उसका ध्यान बार-बार उन्हीं विचारों और नकारात्मक भावनाओं की ओर जाने लगता है। सहजयोग ध्यान उसे अपने विचारों से ऊपर उठकर निर्विचारिता और आत्मचेतना की अवस्था का अनुभव करने का अवसर देता है। नियमित ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की स्थिति को समझने, अपनी भावनाओं को देखने और मानसिक संतुलन विकसित करने का प्रयास कर सकता है। सहजयोग में सामूहिकता को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि सामूहिक ध्यान साधक को सकारात्मक संगति प्रदान करता है। जब व्यक्ति नियमित रूप से अन्य साधकों के साथ ध्यान करता है, तो उसमें जुड़ाव, अपनत्व और सहयोग की भावना विकसित होती है। वह अपनी आध्यात्मिक यात्रा में दूसरों के अनुभवों से प्रेरणा ले सकता है और स्वयं भी दूसरों के लिए सकारात्मक वातावरण का हिस्सा बन सकता है। परिस्थितियाँ हमारे अनुकूल हों या प्रतिकूल, अपने भीतर की शक्ति और संतुलन को पहचानने का प्रयास हम स्वयं कर सकते हैं। ध्यान और आत्म-साक्षात्कार इस दिशा में महत्वपूर्ण साधन बन सकते हैं।









प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना



अब ₹50,000 तक का ऋण – आसान किस्तों में

पहला ऋण

₹15,000

»

दूसरा ऋण

₹25,000

»

तीसरा ऋण

₹50,000



बिना जमानत
कार्यशील पूंजी ऋण



समय पर भुगतान पर
7% ब्याज सब्सिडी



UPI-linked
RuPay Credit Card
₹30,000 तक



डिजिटल लेन-देन पर
₹1,600 तक कैशबैक

स्ट्रीट वेंडर्स को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

₹3,000

मासिक पेंशन

60 वर्ष की आयु के बाद



बुढ़ावस्था
आर्थिक सुरक्षा



परिवार का सहारा /
फैमिली पेंशन



नियमित अंशदान

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026

1 अप्रैल 2026 से प्रभावी



गोला कचरा
सब्जि/भोजन/
सब्जी-फल आदि



सूजा कचरा
प्लास्टिक/कागज/
धातु/कांच आदि



सैनिटरी कचरा
डाक्टर/सेनेटरी पैड
आदि – सुरक्षित
रूप में लपेटकर



स्पेशल केयर कचरा
बल्ब/पेंट कैन/
दवाईयां/बैटरी/
घरायामी वस्तु आदि



Bulk Waste Generators की विशेष जिम्मेदारी

20,000 वर्गमीटर+ / 40,000 लीटर प्रतिदिन+ / 100 कित्ठा प्रतिदिन+



Polluter Pays – उत्संघन पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति



कचरा प्रबंधन की ऑनलाइन ट्रैकिंग एवं निगरानी




लैंडफिल पर रोका/पैमानिक प्रबंधन एवं Legacy Waste को Biomining

हर घर तिरंगा अभियान 2026

हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा

9 से 17 अगस्त 2026



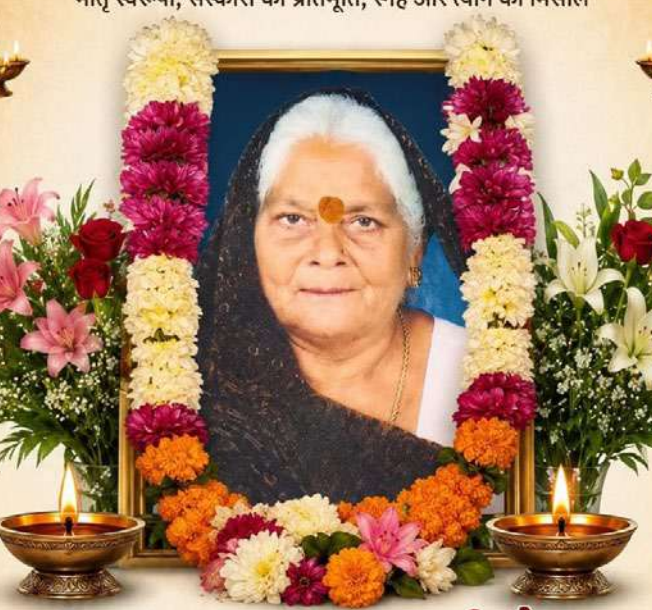




15 अगस्त 2026

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

नगर पालिक निगम, खंडवा



भावभीनी श्रद्धांजलि

मातृ स्वरूपा, संस्कारों की प्रतिमूर्ति, स्नेह और त्याग की मिसाल

स्व. श्रीमती कमला बाई कैथवास

स्व. दि. 27 अगस्त 2020

7 वीं पुण्यतिथि

आपकी स्मृतियाँ हमारे हृदय में सदा अमर रहेंगी।

॥ श्री राम जय राम जय जय राम ॥



पगड़ी रस्म एवं ब्रह्म भोज

मान्यवर, श्री/श्रीमती/मित्र
हमारी माताजी

श्रीमती सूरज बाई

पति स्वर्गीय श्री घासीराम पलैया
का देवलोक गमन दिनांक 21.8.2026 को रात्रि 9 बजे हो गया।
अतः उनकी आत्मशान्ति हेतु कार्यक्रम निम्नानुसार रखा गया है-

कार्यक्रम

	पगड़ी रस्म	: मंगलवार, 01 सितंबर 26, सायं 4.00 से
	ब्रह्म भोज	: मंगलवार, 01 सितंबर 26, सायं 7.00 से आगमन तक

स्थान :

20/10, शाक्य मांगलिक भवन,
परदेशीपुरा, इंदौर

आपके पधारने से दिवंगत आत्मा को शान्ति प्राप्त होगी।



संपर्क : 94253 49548, 99770 24618
62328 87997, 98263 66197

शोकाकुल परिवार

जगदीश, परसराम, सोमनाथ, मोहन, अमित
एवं समस्त पलैया परिवार

**मध्य प्रदेश पुलिस की महिला
कांस्टेबल वर्षा पटेल ने यूरोप की
सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर
तिरंगा फहराया**

इंदौर। जबलपुर में मध्य प्रदेश पुलिस में गार्ड के पद पर कार्यरत सुश्री वर्षा पटेल ने 21 अगस्त 2026 को यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रस (18,510 फीट/5,642 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की और शिखर पर भारत का तिरंगा और मध्य प्रदेश पुलिस का ध्वज फहराकर क्षेत्र और देश का गौरव बढ़ाया। वर्षा पटेल ने प्रतिकूल मौसम, तेज हवाओं और कड़ाके की ठंड के बीच साहस, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए 21 अगस्त को सुबह 9:07 बजे माउंट एलब्रस के शिखर पर विजय प्राप्त की।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888